G20
भारत 2023 INDIA

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विद्यालय पत्रिका
2023-2024

केन्द्रीय विद्यालय खलियार मण्डी (हिमाचल प्रदेश)

Kendriya Vidyalaya Khaliar Mandi (Himachal Pradesh)

Phone: 01905-236054, Fax No: 01905 - 237554
e-mail: principalkvmandi@gmail.com
website: https://mandi.kvs.ac.in

CHIEF PATRON

Mrs. Nidhi Pandey

Commissioner, KVS (HQ) New Delhi

OUR PATRON

Sh. Varun Mitra

Deputy Commissioner, KVS, RO Gurugram

OUR MENTORS

Sh. R. Pramod, A C, KVS, RO Gurugram

Sh. Pritam Singh, A C, KVS, RO Gurugram

Sh. Didar Singh, A C, KVS, RO Gurugram

Sh. Bhupesh Bhatt, A C, KVS, RO Gurugram

संपादक – मंडल

मुख्य संपादक

अंग्रेजी विभाग :	श्री देवी सिंह ,पी जी टी,(अंग्रेजी) श्रीमती रेखा ,टी जी टी,(अंग्रेजी)
हिन्दी विभाग :	श्रीमती वनिता ठाकुर, टीजीटी,(हिन्दी)
संस्कृत विभाग :	श्री अशोक कुमार खाडिया,टीजीटी ,(संस्कृत)
संकलन एवं डिज़ाइन:	श्री नरेश कुमार,पी जी टी,(संगणक विज्ञान)

उपायुक्त संदेश

संदेश

केंद्रीय विद्यालय संगठन भारत राष्ट्र में विद्यालय शिक्षा का ध्वजवाहक है| संगठन के सिरमौर बनने का मुख्य कारण, हमारे विद्यालयों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को आधार बनाकर राष्ट्रहित में कार्य करना है|

केंद्रीय विद्यालय मण्डी द्वारा प्रकाशित होने वाली विद्यालय पत्रिका इस विद्यालय की एक नैसर्गिक तस्वीर है| यह पत्रिका न केवल विद्यालय द्वारा वर्षभर आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की झलकियाँ प्रस्तुत करती है बल्कि यह युवा मन में प्रस्फुटित होने वाले ज्ञान अंकुर का दर्पण भी है|

साहित्य और रचना युवा मन को प्रोत्साहित करते हैं जिससे युवा मन लेखनी के सहारे उड़ान भरने का प्रयत्न करता है| विद्यालय पत्रिका छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को एक मंच प्रदान करने का सर्वोत्तम साधन है| पत्रिका में संकलित प्रत्येक रचना सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है|

विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन केंद्रीय विद्यालय, मण्डी परिवार के सामूहिक उद्यम का परिणाम है| इस सराहनीय प्रयास के लिए मैं आपको, सभी शिक्षक शिक्षिकाओं, नव लेखकों, अभिभावकगण और संपादक मण्डल के सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ|

हार्दिक शुभेच्छा के साथ.....!

(वरुण मित्र)
उपायुक्त

VMC CHAIRMAN'S MESSAGE

Arindam Chaudhary, I.A.S.
Deputy Commissioner
Mandi (H.P.)-175001

Tele No. : 01905-225201 (O)
236202 (R)
Fax No. : 01905-225213

D.O. No. : MND-DC-PA)2023-45

Dated : 03-08-2023

Message

It is a matter of great pleasure that Kendriya Vidyalaya, Khaliyar Mandi of H.P. is going to publish its Annual Magazine for the Session 2022-23. The magazine of any institute reflects about the extracurricular activities being carried out by its students and faculty.

It is well said that the future of India is being shaped in her class room. The School of any nation is the place where the real foundation for the holistic development of the students is laid down. It is the place where not only the knowledge is imparted but the good habits are also inculcated among the students, because the children of today are the future of the nation.

I personally sent my heartiest wishes and congratulations to the faculty, students and all those connected with the publication of this magazine in one way or the other. Definitely this magazine will be beneficial to all.

With best wishes.

(Arindam Chaudhary)

प्राचार्य की कलम से

मेरे लिए यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि विद्यालय प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 'विद्यालय पत्रिका' का प्रकाशन करने जा रहा है। विद्यालय पत्रिका वर्ष भर में किए गए उत्कृष्ट कार्यों का वह दस्तावेज होता है जो नए सृजनात्मक एवं नए आयाम को धरातल पर उतारता है। इसमें वर्ष भर शिक्षण के साथ-साथ खेलकूद, स्काउट और गाइड, संगीत, भ्रमण तथा विभिन्न कौशलों के विकास हेतु आयोजित गतिविधियों की झलकियां सम्मिलित रहती हैं। बच्चे हमारा भविष्य व आने वाला कल होते हैं। इनके कोमल मन कल्पनाओं के अथाह सागर- से भरे होते हैं। इन नन्हे-मुन्ने बच्चों के अनगिनत सवाल, जवाब पाने के लिए हमेशा कल्पना लोक से धरातल पर उतरने का प्रयास करते हैं। विद्यालय पत्रिका के इस अंक में इन्हीं नन्हे-मुन्नों में से उभरते हुए प्रतिभावान कवियों, लेखकों एवं विचारों ने अपने अमूर्त मन की अभिव्यक्तियों को पत्रिका के माध्यम से धरातल पर उतारने की बखूबी कोशिश की है।

मैं विद्यालय पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु संपादकीय मंडल, जिनके अथक प्रयास का यह परिणाम है, को आंतरिक हृदय से बधाई देता हूं। मैं उन सभी नव- सृजन की दुनिया में कदम रखने वाले लेखकों, कवियों , चिंतकों को भी आंतरिक हृदय की गहराइयों से हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे होनहार विद्यार्थी आगे चलकर प्रबुद्ध, देशभक्ति एवं विविध कौशलों से परिपूर्ण होकर सभ्य एवं सुसंस्कृत नागरिक बनेंगे। हमारे विद्यार्थी अवश्य ही समाज और देश के विकास में अपना यथासंभव सक्रिय योगदान देकर अपने मानव जीवन को सफल बनाएंगे।

अजीत कुमार यादव
प्राचार्य

VIDYALAYA RESULT 2022-23

S.N	Class	Students Appeared	Students Passed	Pass Percentage
1	I	39	39	100%
2	II	53	53	100%
3	III	55	55	100%
4	IV	49	49	100%
5	V	62	62	100%
6	VI	56	56	100%
7	VII	57	57	100%
8	VIII	58	58	100%
9	IX	60	54	90%
10	X	57	57	100%
11	XI-A	40	28	70%
12	XI-B	32	19	59.4%
13	XII-A	40	40	100%
14	XII-B	19	19	100%

VIDYALAYA CBSE TOPPER CLASS X & XII

KENDRIYA VIDYALAYA KHALIAR, MANDI (H.P.)
Session 2022-23

CLASS XII-Topper

स्वाति 93%	महक पटपाल 92.8%	सुजल 92.6%

Total Appeared-59(40+19) Passed-59
Result 100%
More than 75%-21

CLASS X-Topper

रोहित कुमार 94%	नमन वर्धन 92.6%	आयशा ठाकुर 88.4%

Total Appeared-57 Passed-57
Result 100%
More than 75%-09

VIDYALAYA ACTIVITIES

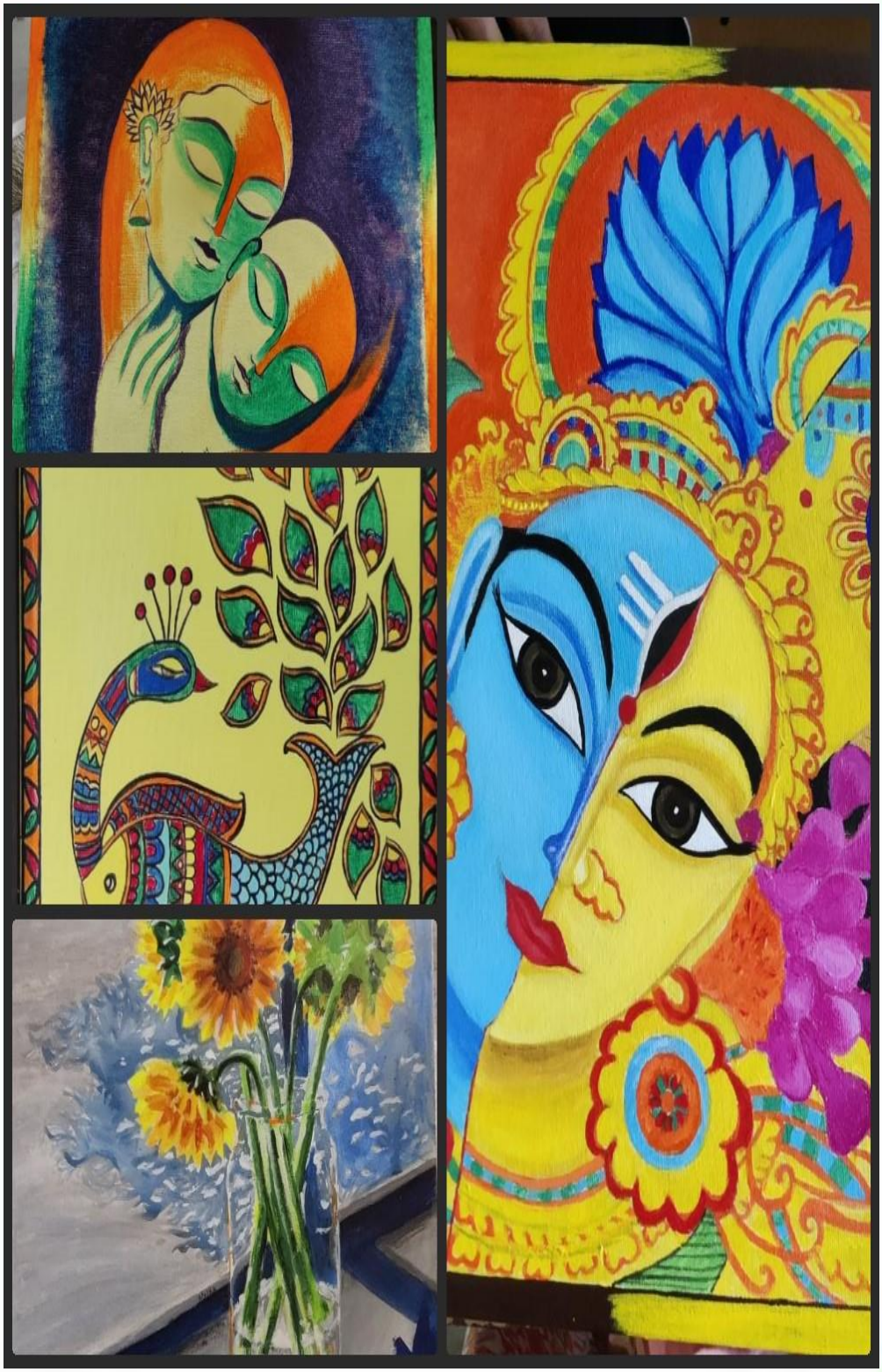

21 फरवरी
अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

English
Hindi
Day

English
नमस्ते
OK!
Here
हिन्दी

INTERNATION
THER
DAY
NGUAGE
-SHOR

खलियार मण्डी हि.प्र.
खलियार मण्डी हि.प्र.
खलियार मण्डी हि.प्र.
खलियार मण्डी हि.प्र.

केन्द्रीय विद्यालय

र मण्डी (हि.प्र.)

(1 सितम्बर से 30

विद्यालय खलियार

FIRE SAFETY DRILL

IIT MANDI
S20
SCIENCE 2023 INDIA
WELCOMES ALL
G20 || S20
IIT MANDI VISIT

केन्द्रीय विद्यालय खलियार, मण्डी (हि. प्र.)
KENDRIYA VIDYALAYA KHALIAR, MANDI (H.P.)
PRESS CONFERENCE
3rd YEAR OF IMPLEMENTATION
NEP-2020
OPPO A53
Mandi,Mandi Division | 2023.07.26 10:51

LIVE BROADCASTING AKHIL BHARTIYA SAN(
A MIND NEEDS BOOKS AS A SWORD NEEDS A WHETSTONE
OPPO A53

हिन्दी
विभाग

शिक्षक का महत्व

ज्ञान देने वाले गुरु का वंदन है,

उनके चरणों की धूल भी चंदन है |

शिक्षक ज्ञान का दीप है,

शिक्षक ज्ञान का है भंडार |

उनके चरणों के आशीष से,

हम जीतेंगे हर बार |

शिक्षक की ज्ञान भरी बातें,

कर देगी नैया पार |

उनके ज्ञान रूपी वरदान से,

रोशन होता सारा संसार |

कर लो अपने शिक्षक की भक्ति,

भव-सागर से हो जाओगे पार |

मिलेगा ज्ञान ही ज्ञान तुमको ,

बदल जाएगा ये संसार |

-अंशिका राणा

कक्षा- छठी

दिवाली की रात आई

दीपों की पंक्ति में हँसती,

दिवाली की रात है आई ,

दीपा राजू ने मिल-जुल कर,

घर आँगन की करी सफ़ाई |

पूजा की थाली में सजते,

मेवा, कुमकुम, फूल, मिठाई,

फूलझड़ी नाचे मतवाली,

नाचे फिरकी और हवाई |

खिल-खिल करते हँसे अनार,

बम्बों ने है धूम मचाई ,

पुण्य सदा जीता है जग में,

यही अटल सच्चाई |

प्रेम प्यार का भाव बताती,

दिवाली की रात है आई ||

- नव्या ठाकुर

कक्षा- छठी

शिक्षा के दीप

कोई निरक्षर न रहे , ऐसा ज्ञान जगाएं

पढ़ना लिखना सीख कर, अनपढ़ों को

पढाएं|

भेदभाव के बिना, सबको शिक्षा दिलवाए ,

लिंग-भेद भुलाकर, साक्षरता खूब फैलाए |

जाति-धर्म से परे, सबको एक बनाए ,

हम भाषा ग्रहण करें, प्रेम परचम लहराए |

डॉक्टर, वैज्ञानिक बनकर, जग में नाम कमाए,

अज्ञान अँधेरा हरकर, शिक्षा के दीप जलाएं |

-अपूर्वा चौहान

कक्षा – छठी

शिक्षक

गिरते हैं, हमें उठाते हैं शिक्षक |

जीवन की राह दिखाते हैं शिक्षक ||

देकर अपने ज्ञान की पूंजी |

हमें योग्य मानव बनाते हैं शिक्षक ||

झटकती है दुनिया हाथ कभी भी जब |

झटपट हाथ बढ़ाते हैं शिक्षक ||

कभी नन्हीं आँखों में आँसू जो होते |

बनकर दोस्त, हंसाते हैं शिक्षक ||

जीवन डगर है, जीवन समर है |

जीवन संघर्ष सिखाते हैं शिक्षक ||

नहीं हो कहीं अनीति, अशांति |

बस यही पैगाम फैलाते हैं शिक्षक ||

- मदन गोदरा

कक्षा – पाँचवी

मच्छर चालीसा

जय मच्छर भगवान, उजागर,
जय असंख्य रोगों के सागर,
तुम्हारे घर में हैं छोटे-मोटे भाले,
मक्खा-मक्खी तुम्हारे घरवाले,
मलेरिया के तुम ही दाता,
रक्तमल तेरे छोटे भ्राता,
मंत्रीगण तुमसे घबराते,
तुम्हारे लिए योजना बनाते,
बिना इजाजत तुम घर में घुस जाते,
हर दफ्तर में आदर पाते,
जो भी पढ़े मच्छर चालीसा,
रोगों से पीड़ित होता अच्छा खासा ||

राधिका शर्मा
कक्षा – दसवीं

मेरा विद्यालय

मेरा विद्यालय कितना प्यारा |

लगता है मुझको न्यारा |

खूब पढ़ाई करते हम |

चित्रों में रंग भरते हैं , कभी खेलने जाते हैं |

कभी गीत भी गाते हैं, छुट्टी हमें न भाती है

विद्यालय ही घर होता, तो कितना अच्छा होता ||

- मीनाक्षी शर्मा
- कक्षा - नवमी

होली

रंगों का त्योहार है होली, खुशियों की बौछार है होली |

लाल गुलाबी पीले देखो, रंग सभी रंगीले देखो |

पिचकारी भर भर लाते, एक दूजे पर सभी चलाते |

होली पर अब ऐसा हाल, हर चेहरे पर आज गुलाल|

आओ यारो इसी बहाने, दुश्मन को भी चलें मनाने |

- यशिका
- कक्षा – छठी

कीमत

कीमत पानी की नहीं, प्यास की होती है,

कीमत बादल की नहीं, वर्षा की होती है

कीमत मां की नहीं, ममता की होती है

कीमत आंखों की नहीं, नजरिए की होती है।

रोहित कुमार

कक्षा- ग्यारहवीं –अ

एक वादा

एक वादा खुद से करो, करेंगे हम पहले यह काम,

पेड़ लगाएंगे हम सब, अपने-अपने नाम,

तीज हो या हो त्योहार, पेड़ लगाकर हम करेंगे स्वागत,

सींचेगे प्यार के पानी से, संकल्प की खाद डालेंगे,

रक्षा का धागा बांध लेंगे, आओ हम सब मिलकर यह वादा निभाएं,

पेड़ लगाएं, खुशहाली लाएं।

योगेश ठाकुर,
कक्षा ग्यारहवीं

पेड़ लगाओ

पेड़ों की छांव में, पक्षियों का रैन बसेरा है,
इनके होने से हम हैं, और जीवन हमारा है।
गौर से देखो जरा इन्हें, ये भी तो कुछ कहते हैं,
फूल, फल, हवा, सुगंध ये सब देते रहते हैं,
मीठे-मीठे फल इनके, बच्चों को कितना भाते हैं,
इनका ही तो रस लेकर गम भरे भी, मस्त मग्न हो जाते हैं,
पत्तियां कभी ताजी हरी, तो कभी सूख कर सुनहरी हो जाती हैं,
इनको देखकर कोयल भी तो, कैसे नगमे गाती है,
सुनकर इस मीठी तान को, दिल खुशी से भर जाता है,
शीतल लहर का झोंका, तन-मन को झंकृत कर जाता है,
अगर इनको काट गिराया, तब कैसे मिलेगी तुमको छाया,
दर्द इन्हें भी होता है, चोट इन्हें भी लगती है,
इनको इसी तरह काट गिराओगे, तुम भी ना बच पाओगे,
इनसे हम हैं , हमसे ये नहीं,
इनसे ही सांसें अपनी, बिना इनके न जीवन अपना,
हर एक जो पेड़ लगाएगा ,वो नेक काम कर जाएगा
जो समझेगा दर्द इनके, इंसान वही कहलाएगा।।

अर्शिया
कक्षा नवीं

पानी बरसा

टिप टिप टिप टिप बरसा पानी

सब लोग बाहर निकले

फसलें हरी-भरी हो गई

पौधे खिल उठे क्योंकि

टिप टिप टिप टिप बरसा पानी |

सब लोग खुशी से झूम रहे हैं,

बोले टिप टिप बरसा पानी,

नाच दिखाए सब लोगों ने,

मैंने भी अपना नाच दिखाया,

टिप टिप टिप टिप बरसा पानी |

मेरा मित्र तो है पानी,

हमारी जरूरतें पूरी करता,

मत करो इसकी बर्बादी,

वरना मुश्किल में पड़ जाओगे,

टिप टिप टिप टिप बरसा पानी |

- परिक्षिता
- कक्षा – दसवीं

केन्द्रीय विद्यालय स्कूल

यह है हमारा केन्द्रीय विद्यालय स्कूल,

मत जाना तुम इसको भूल,

अच्छी -अच्छी बातें यहाँ की,

अच्छे है सारे उसूल |

यहाँ के अध्यापक बडे दयालु ,

अध्यापिकाएँ बड़ी कृपालु ,

मेहनत से हमें पढ़ना सिखाते,

सही मार्ग में बढ़ना सिखाते |

यह है हमारा केन्द्रीय विद्यालय स्कूल

सानिया ठाकुर
कक्षा – दसवीं

वो दिन

वो दिन जब हम स्कूल जाया करते थे,
वो दिन जब हम कक्षा में बैठकर नए ज्ञान को सीखा करते थे,
वो दिन जब हम स्कूल में खेलते हंसा करते थे,
वो दिन जब हम नाचते-गाते थे,
क्या वो दिन वापस आएंगे?
काश वो दिन फिर से लौट आएँ ।

डिंपल ठाकुर
कक्षा दसवीं

हिंदी का महत्व

हिंदी को भारत के संविधान के द्वारा मुख्य भाषा होने का गौरव प्राप्त है। हिंदी भारत के अधिकतर राज्यों में बोली और समझी जाती है। हिंदी भारत में संपर्क सेतु के रूप में कार्य करती है। मधुर हिंदी भाषा भारत की शान है। यह आसानी से सीखी और बोली जा सकती है। आज़ादी की लड़ाई में यह एक उत्तम हथियार था। हिंदी भारत की आत्मा है और राष्ट्रीय चेतना की वाहक रही है। हिंदी ने भारत की विरासत और संस्कृति को सदियों से संजोकर रखा है। लेकिन विडंबना यह है कि हिंदी को लेकर आज जो बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, प्रचार-प्रसार के जो बड़े-बड़े पोस्टर लगे हैं, वे हकीकत में

धरातल पर नदारद हैं। आज कोई हिंदी में यदि बात करता है, हिंदी में अपनी बात को अभिव्यक्त करता है, तो उसे दोयम दर्जे का ठप्पा लगाकर समाज में उसका परिहास होता है। यदि इसी तरह से मातृभाषा हिंदी को हीन भाव से देखकर इसके प्रति उदासीन रहते हैं, तो एक दिन यह भाषा भी विलुप्त भाषाओं की सूची में शुमार हो जाएगी।

तनवी ठाकुर
कक्षा दसवीं

माँ

वक्त कैसे बदलता है,
कल जब हम छोटे थे, गोल-मोल और मोटे थे,
तोतली सी जुवां में होते थे, कोई हमारी बात समझ नहीं पाते थे,
तब सिर्फ एक ही हस्ती थी, जो हमारे टूटे-फूटे अल्फाज़ों को समझती थी,
वक्त कैसे बदलता है, छोटे से बड़े हम हो जाते हैं,
अब उसी हस्ती को हम कहते हैं, आप नहीं जानती, आप नहीं समझ पाओगी,
हम बड़े हो गए हैं, हमारे रास्तों पर चल नहीं पाओगी,
सुनकर माँ हमारे इन वचनों को, मन ही मन रोती है,
बाहर मुस्कुराने का नाटक करती है, माँ ही है जो बच्चों के सारे गम पी जाती है,
आज मुझे जिंदगी का कठिन रास्ता भी आसान लगता है,
यह मुझे मेरी माँ की दुआओं का असर लगता है,
एक मुद्दत से मेरी माँ नहीं सोई, जब मैंने एक बार कहा था,
माँ मुझे अंधेरे से डर लगता है।।

शौनक

कक्षा दसवीं

कोयल कलापी

वृक्षों, फल-फूलों से लदा,

हरे-हरे घास की चादर से सजा, वह बाग सुंदर ।

रो रहा था कोई , उसके अंदर,

सुनकर रोना, मिलने गई , अपने मित्र से कोयल,

वह बोली सुन रे ! मित्र क्यों बहा रहा है आँसू,

आ ज़रा मैं इनको पौंछूँ,

दुख की आह ! भरकर बोला मित्र मोर,

देखो चारों ओर, सब है सुंदर, मैं भी हूँ सुंदर,

पर मेरे पंजे है असुंदर,

कर रहे हैं दुखी मुझे, अंदर ही अंदर,

इसीलिए तो बहा रहा हूँ, मैं आंसुओं का समंदर,

सुनकर दुखड़ा मित्र का, बोली कोयल काली,

"छोड़ो यह मोह- माया, सारी प्रकृति ने हर्ष मनाया,

तुम भी झूम जाओ खुशियों में,

क्योंकि तुम्हारा मनभावन महीना, सावन है आया |"

सुनकर मित्र की बात, अब तो मोर भी हर्षाया,

बारिश की बूंदों में उसने भी, पंख फैलाकर नाच गाना गाया,

उसको खुश देखकर, सारा बाग मुस्कुराया,

इस कविता को पढ़कर, हमें भी मजा आया ।।

- ईशिता ठाकुर
- कक्षा- छठी

आज़ादी का मतलब

खेलकूद की, पढ़ने की, आज़ादी है,

हमको आगे बढ़ने की, आज़ादी है,

अमन चैन से रहने की, आज़ादी है,

मन की बातें कहने की, आज़ादी है,

हर पल आने जाने की, आज़ादी है,

अपना धर्म निभाने की, आज़ादी है,

मन के खाने पीने की, आज़ादी है,

खुशियों के संग जीने की, आज़ादी है,

लेकिन अपनी सीमा है आज़ादी की,

वरना बनती वजह यही, बर्बादी की,

आज़ादी का मतलब, दंगा-खून नहीं,

तोड़े जिसको सब, ऐसा कानून नहीं,

आज़ादी का मतलब, है उत्पात नहीं,

औरों का हक छीनें, अच्छी बात नहीं,

आज़ादी का मतलब है, प्रेम-राग रब में,

सबका हो उत्थान, एकता हो सब में,

आज़ादी का मतलब, देश सँवारें हम,

शान तिरंगे की कुछ और निखारें हम।

पुष्कर

कक्षा आठवीं

पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र

विश्व पुस्तक दिवस प्रत्येक वर्ष 23 अप्रैल को मनाया जाता है| पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र हैं|

यदि मनुष्य और पशु में भेद किया जाए तो केवल बुद्धि द्वारा ही किया जा सकता है| 'सूझे न जब कोई निदान, पुस्तक से मिले समाधान' | पुस्तक में होती निज खोज, पुस्तक ही तो मन बहलाती |

पुस्तक देती हमको सुकून, जब होता मन परेशान | किताबों में इतना खज़ाना छुपा हुआ है,

कि कोई लुटेरा लूट नहीं सकता | समय का सदुपयोग अच्छी किताबें पढ़कर ही किया जा सकता है, परंतु बड़े दुख की बात यह है कि आज के इस वैज्ञानिक युग में यह स्थान मोबाइल, टीवी आदि ने ले लिया है | पुस्तकों का ज्ञान, पुस्तकें पढ़कर ही हासिल किया जा सकता है |

यही हैं हमारी सच्ची मित्र।

- अंशुल शर्मा

कक्षा - सातवीं

एक तारा है वो

दूर आसमान में है, एक तारा है वो
दूसरों को देखकर, समझ रहा है,
हूँ मैं भी इन जैसा, कुछ खास नहीं रहा है,
लेकिन भूल गया है,
एक तारा है वो |
तुम में नहीं है कुछ खास, कहा सबने है,
चमक उसमें नहीं है, यह मान रहा है,
ख्वाबों की दुनिया, बुन रहा है मगर,
सबकी बातें सुन-सुन कर, चिढ़ रहा है|
लेकिन तब भी,
एक तारा है वो |
एक सीमा के बाद, समझ रहा है कि,
अच्छा है कि वह दूर है, एक तारा सबसे,
क्योंकि है वह अकेला, अब नहीं भूलेगा,
एक तारा है वो |
क्योंकि हूँ मैं अकेला, अहसास हुआ है,
है मेरे अंदर विचारों व सवालों का मेला |
क्योंकि हूँ मैं अकेला|
मुझ जैसा नहीं कोई दूसरा,
हूँ अंधेरों से घिरा,
तभी चमकूँगा अकेला,
इस बात का अहसास हुआ।

निधि
कक्षा- दसवीं

मेरी माँ

मेरी माँ प्यारी है, मेरी माँ न्यारी है,
मेरी माँ अच्छी है, मेरी माँ सच्ची है,
जब मैं रोता, माँ भी रोती,
जब मैं हँसता, माँ भी हँसती,
प्यारी माँ तू है, न्यारी माँ तू है,
अच्छी माँ तू है, सच्ची माँ तू है।

राघव ठाकुर
कक्षा- पांचवी

शिक्षा

बहुत जरूरी होती शिक्षा,
सारे अवगुण धोती शिक्षा |
चाहे जितना पढ़ लें हम,
पर कभी न पूरी होती शिक्षा |
शिक्षा पाकर ही बनते हैं,
नेता, अफसर, शिक्षक |
कर्तव्यों का बोध कराती,
अधिकारों का ज्ञान |
शिक्षा से ही मिल सकता है,
सर्वोपरि सम्मान |
बुद्धिहीन को बुद्धि देती,
अज्ञानी को ज्ञान |
शिक्षा से ही बन सकता है,
भारत देश महान ।

गरीमा वर्मा
कक्षा- पांचवीं

यदि समय न हो तो

कौन हमें सिखाएगा,

जिंदगी के पथ पर निरंतर चलना,

समय ही तो बतलाएगा,

जी न चलेगा समय के साथ,

वह पीछे ही रह जाएगा,

समझ लो लोगों, ज्ञान की बात,

बीता कल ना वापस आएगा,

जो करेगा समय का अपमान,

वह अपना नुकसान उठाएगा ,

तुम बैठोगे थक हारकर,

पर यह तो चलता जाएगा,

और एक बार जो हाथ से छूटा,

तो तुमको बहुत रुलाएगा,

यह तो समय का पहिया है साहब,

यूँ ही चलता जाएगा।

- परिधि

कक्षा- छठी

गुरु की महिमा

सदियों से यह प्रथा चली है

गुरु की महिमा बहुत बड़ी है |

गुरु ही ईश्वर, गुरु ही पूजा

गुरु के जैसा न कोई दूजा||

गुरु की शिक्षा से ही तो,

मिलेगा सदा मान सम्मान |

गुरु है किस्मत की चाबी,

करो सदा इसका सम्मान ||

- समृद्धि ठाकुर

कक्षा छठी

"निस्वार्थ भाव एवं त्याग ही सफलता की सीढ़ी है"

एक बार की बात है कि सभी जानवरों को अपने आप पर इस बात का घमंड हो गया, कि वह इस धरती के सबसे उपयोगी पशु हैं। लेकिन यह तय कौन करेगा और कैसे करेगा? हाथी सवारी के लिए, ऊंट रेगिस्तान में, कुत्ता वफादारी के लिए और गाय दूध के लिए उपयोगी है। हर कोई अपने आप में बेहतर था।

इस तरह झगड़े को खत्म करने के लिए भगवान वेश बदलकर धरती पर आए और सबसे पहले शेर के पास गए और बोले, "हे जंगल के राजा, मैंने बहुत दिनों से कुछ नहीं खाया है। कृपया कुछ खाने के लिए दे दो!" शेर ने दहाड़ कर कहा, "तुम यहाँ से दूर चले जाओ। मुझे खुद खाने के लिए कम पड़ता है। मैं तुम्हें खाना कैसे दे सकता हूँ|"

भगवान फिर हाथी के पास गए। हाथी ने भी चिंघाड़ते हुए यही जवाब दिया, जो शेर ने दिया था। इसके बाद भगवान गाय के पास के गए । गाय ने भी रंभाते हुए कहा, "यहाँ से चले जाओ। मेरे बछड़े के लिए दूध कम पड़ता है। तो मैं तुम्हें कहाँ से दूं|"

अंत में भगवान निराश होकर एक खरगोश के पास गए। खरगोश एक गाजर खा रहा था। भगवान ने खरगोश से वही विनती दोहराई। खरगोश खाते-खाते रुक गया और बची हुई गाजर भगवान को दे दी । तो भगवान ने कहा, "इससे मेरी भूख शांत नहीं होगी?" तब खरगोश ने कुछ सूखी लकड़ियां इकट्ठी की। दो पत्रों को आपस में रगड़ा और आग जलाई। फिर भगवान से कहा कि मेरे पास अपने आप

के सिवाय देने के लिए कुछ नहीं है। कृपया मुझे इस आग में भूनकर खा लें । ऐसा कहते हुए खरगोश आग में कूद गया। भगवान यह सब देखकर चकित हो गए। उन्होंने खरगोश को नुकसान पहुँचने से पहले ही आग से निकाल लिया। उसका बलिदान देखकर भगवान बोले, "यद्यपि तुम छोटे हो लेकिन संसार के सबसे उपयोगी जानवर हो। इसलिए तुम मेरे करीब रहोगे ताकि सारा संसार तुम्हें देख सके|" उसके बाद भगवान ने खरगोश को चाँद पर जगह दी। चाँद में उस दिन से

खरगोश की छवि दिखाई देती है। इसलिए चाँद को शशांक के नाम से भी जाना जाता है।

- सार्थक वर्धन
कक्षा छठी

माँ

अम्मा कहो या अम्मी, मम्मी कहो या मॉम,

ममता की एक मूरत है, यह सारे नाम|

अपने ही रूप में ईश्वर ने, माँ को ढाल दिया,

फिर माँ की झोली में उसने, हर सद्गुण डाल दिया।

माँ से बढ़कर और कोई नहीं, हित चिंतक हमारा।

निरंतर बहती माँ के ह्रदय में, वात्सल्य की निर्मल धारा।।

- सृष्टि सेठी
कक्षा दसवीं

पहेलियाँ

1. दूध का पोता, दही का बच्चा, लोग पीते हैं उसे कच्चा ।

2. लाल है पर टमाटर नहीं, बहादुर है पर सैनिक नहीं, शास्त्री है पर पंडित नहीं, जो बताए वह मूर्ख नहीं।

3. ऊपर से वह हरा है, अंदर से है लाल, उतना मीठा रस भरा, जितनी मोटी खाल।

4. तीन अक्षर का मेरा नाम, उल्टा सीधा एक समान हिंदी का एक नियम कहलाता, जो ना बताए थप्पड़ खाता।

5. छोटा सा दुर्गादास, कपड़े पहने सौ पचास ।

उत्तर

1.लस्सी 2.लाल बहादुर शास्त्री 3. तरबूज 4.समास 5. प्याज

- लवलीन शांडिल

कक्षा आठवीं

गुरु की महिमा

गुरु को सारे जगत जग ने,

सबसे ऊपर है माना,

उसकी महिमा कागज में,

मुश्किल है लिख पाना।

ज्ञान का दीपक जलाकर जो,

जीवन की राह दिखाते,

उनका आशीष पाकर,

हम अपनी मंजिल पाते।

- लवलीन शांडिल
कक्षा आठवीं

जिंदगी

छोटी सी है जिंदगी,

हर बात में खुश रहो,

जो चेहरा पास न हो,

उसकी आवाज में खुश रहो।

कोई रुठा हो आपसे

उसके अंदाज में खुश रहो

जो लौट के नहीं आने वाले,

उनकी याद में खुश रहो,

कल किसने देखा है,

अपने आज में खुश रहो।

- संजना शर्मा

कक्षा बारहवीं अ

शिक्षा

शिक्षा एक ऐसा धन है, जिसे कोई चोर चुरा नहीं सकता है। शिक्षा हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षा के बिना जिंदगी पशु के समान है। शिक्षित होने से आप मानसिक और सामाजिक दोनों तरह से जागरूक होते हैं। और लोगों के बीच सम्मान बढ़ता है। शिक्षा आपको आपस होने वाली हर चीज से अवगत कराती है। चाहे आप बच्चे हो या व्यस्क शिक्षा एक स्थाई प्रक्रिया है, जो कि मृत्यु के साथ समाप्त होती है। शिक्षा का महत्व यह है कि यह एक व्यक्ति के समग्र विकास में मदद करती है। क्योंकि हम शिक्षा से ज्ञान कौशल और कई अन्य चीजें हासिल कर सकते हैं । शिक्षा बहुत जरूरी है।

अनन्या

कक्षा छठी

पेड़ हमारे दोस्त

इसकी छाया चारों ओर है ऐसी फैली,
जैसे हो कोई आदमी खड़ा
बाहें फैलाकर हमसे वह कह रहा
आओ मुझको गले लगाओ
मुझे यूं ना ठुकराओ
मैं भी तुम्हारा दोस्त हूँ
मेरे संग भी कुछ समय बिताओ
और फिर.....
इन पक्षियों का सुनो एक मधुर गाना
पहुँचेगी शांति तुम्हारे मन को
एक बार हमें अपना कर तो देखो
फिर हम जान भी न्योछावर कर दें
अपने अंग देते हैं तुम्हें
तुम्हारी कॉपी, किताबों के रूप में
तुम्हें पढ़ाने के लिए
एक बड़ा अफसर बनाने के लिए
ताकि तुम सुखी रहो
अपने जीवन में सफल बनो
फिर भी ज्यादा कुछ ना मांगा है
बस बैठ जाओ मेरी छाया के नीचे, फिर जरा मुस्कुराओ
और मेरे संग भी कुछ समय बताओ।

- सुभाषिनी
कक्षा- नवी

मूर्ख और चतुर

एक दिन बादशाह अकबर राज्य कार्य निपटा कर सभी दरबारियों के साथ बैठे मनोरंजन कर रहे थे। दरबार में हंसी मजाक का दौर चल रहा था। ऐसे में बादशाह अकबर के मन में एक सवाल आया।

उन्हें पता था कि दरबारियों में सिर्फ बीरबल ही ऐसा व्यक्ति है जो उनके सवाल का संतोषजनक जवाब दे सकता है। इसलिए उन्होंने सीधे बीरबल से ही पूछा, "बीरबल, मूर्ख और चतुर में क्या अंतर होता है?" बीरबल ने कहा, "बादशाह सलामत, जिसका दिमाग जरूरत पड़ने पर तुरंत काम कर सके, वह चतुर होता है। इसके विपरीत जो व्यक्ति समय पर तुरंत जवाब नहीं दे पाता या समस्या का निराकरण नहीं कर पाता, वह मूर्ख होता है"।

- आराध्या
कक्षा –पांचवीं

महात्मा बुद्ध की सीख

गौतम बुद्ध एक दिन अपने शिष्यों के साथ सभा में विराजमान थे। शिष्यगण मौन देखकर चिंतित हुए कि कहीं वे अस्वस्थ तो नहीं हैं? तभी एक शिष्य ने पूछा, "भगवन् आप आज इस प्रकार मौन क्यों हैं? क्या हमसे कोई अपराध हुआ है?" इतने में एक अन्य अधीर शिष्य ने पूछा, "प्रभु! क्या आप आज अस्वस्थ हैं?" वह फिर भी मौन रहे। तभी बाहर खड़ा कोई व्यक्ति जोर से बोला, "आज मुझे सभा में बैठने की अनुमति प्रदान क्यों नहीं की गई ?" बुद्धदेव नेत्र बंद कर ध्यान मग्न हो गए।

वह व्यक्ति फिर चिल्ला उठा, "मुझे प्रवेश की अनुमति क्यों नहीं दी?" एक उदार शिष्य ने उसका पक्ष लेते हुए कहा, "भगवन् उसे सभा में आने की अनुमति प्रदान करें|" बुद्धदेव ने नेत्र खोले और बोले, "नहीं! वह अस्पृश्य है। उसे आज्ञा नहीं दी जा सकती|" अस्पृश्य आश्चर्य में डूब गए। बुद्धदेव

उनके मन का भाव समझ गए ज़ोर देकर बोले, "हाँ अस्पृश्य|" इस पर शिष्य कैसे एकदम बोल उठे, "वह अस्पृश्य क्यों? आप तो जात -पात का कोई भेद नहीं करते। फिर वह अस्पृश्य कैसे ?" तब बुद्धदेव ने स्पष्ट किया, "आज यह क्रोधित होकर आया है। क्रोध से जीवन

की एकाग्रता भंग होती है। क्रोधी व्यक्ति मानसिक हिंसा करता है। किसी भी कारण से क्रोध करने वाला अस्पृश्य होता है। उसे कुछ समय तक पृथक एकांत में खड़े रहना चाहिए। पश्चाताप की अग्नि में तब व ह समझ लेगा कि अहिंसा ही महान कर्तव्य है। परम धर्म है|" शिष्य समझ गए कि अस्पृश्यता क्या है? अस्पृश्य कौन है? उस व्यक्ति को भी पश्चाताप हुआ। और उसने फिर क्रोधित न होने की कसम खाई।

- शौर्य ठाकुर
कक्षा दसवीं

मानसिक मंद बच्चों के लिए विशेष शिक्षा

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है समाज में रहकर ही उसे अपने जीवन का निर्वाह करना होता है समाज में रहने के लिए मनुष्य को समाज द्वारा बनाए गए नियमों का पालन करना पड़ता है। एक मनुष्य उचित सामाजिक प्राणी बने इसके लिए उसे समाज द्वारा बनाए गए नियमों की शिक्षा दी जाती है। एक सामान्य बच्चे को शिक्षा ग्रहण करने में कोई कठिनाई नहीं होती परंतु मानसिक मंद बच्चे को शिक्षा देने के लिए विशेष प्रावधानों की आवश्यकता होती है।

मानसिक मंदता- यह एक ऐसी अवस्था होती है, जिसमें बच्चे का मानसिक विकास उसके शारीरिक विकास की अपेक्षा कम होता है, जिसका प्रभाव उसके संज्ञानात्मक कौशल युवा सामाजिक व्यवहार दोनों पर पड़ता है। वह अपनी उम्र के बच्चों जैसा न ही पड़ सकता है और ना ही सामाजिक व्यवहार कर पाता है। इसलिए इन बच्चों को विशेष शिक्षा की आवश्यकता होती है।

मानसिक मंद बच्चों में व्यक्तिगत विभिन्नता ओं के आधार पर विभिन्न विशेषताएं देखने को मिलती हैं। जैसे ध्यान की एकाग्रता मे कमी, भाषा संबंधी समस्या, एक ही व्यवहार को बार-बार दोहराते रहना, स्वयं को मारना, दूसरों को मारना, चीजों को भूल जाना, किसी चीज को सीखने के लिए बार-बार अभ्यास की आवश्यकता, अमूर्त चीजों को सीखने में कठिनाई होती है। इन विशेषताओं के कारण इन बच्चों को जीवन कौशल (life skill education) दी जाती है।

मानसिक मंद बच्चे को शिक्षित करने के लिए उसकी आवश्यकता के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार किया जाता है, जिसमें दैनिक कार्य का प्रशिक्षण, कार्यात्मक शैक्षणिक कौशल, सामाजिक कौशल, सुरक्षात्मक कौशल, व्यावसायिक कौशल, समस्या समाधान कौशल,

समय परिस्थिति के अनुसार सामान्य करने के कौशल आदि हो सकते हैं।

इन सभी कौशलों का प्रशिक्षण देने के लिए बच्चे का व्यक्तिगत शैक्षणिक कार्यक्रम तैयार किया जाता है। जिसमें बच्चे के माता पिता, विशेष अध्यापक, सामान्य अध्यापक, डॉक्टर, शारीरिक चिकित्सक, वाक चिकित्सक, व्यवसायिक चिकित्सक आदि सम्मिलित होते हैं। एक बाधारहित वातावरण तैयार करके बच्चे को जीवन यापन करने के कौशलों का शिक्षण प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाता है।

- नीलमा देवी
(विशेष शिक्षक)

संस्कृत विभाग:

शून्यम्

पुष्पहीनम् उद्यान शून्यम् , मित्रहीनं जीवनं शून्यम् ।

मातृहीनं गृहं शून्यम् । प्राणहीन: देह: शून्यः ।

चरित्रहीनो नरः शून्यः ।

नदीहीनो सागर : शून्यः ।

गुरुहीनो कक्षा शून्य । जलहीना नदी शून्या ।

आभूषणहीना नारी शून्या । संस्कृतहीना विद्या शून्या ।

नाम - प्रिया सिंह

कक्षा-सप्तमी

रामायणम्

प्राचीनकाले वाल्मीकिः नामधेयः ऋषिः अभवत् । वाल्मीकिना एवं रामायणस्य रचना कृता । रामायणम् संस्कृतस्य आदिकाव्यम् अस्ति । वाल्मीकिना रामस्य चरित्रस्य गुणानाम् च वर्णनम् अस्मिन् काव्ये वर्णितम् । हनुतमः भक्तिभावस्य वर्णनम् अपि अत्र प्रदर्शितम् । अत्रैव लक्ष्मणस्य भक्तिरपि वर्णिता । चित्रकूटपर्वतस्य सौन्दर्यस्य प्रकृतिवर्णनम् अपि मनोहरम् ।

नाम-सक्षम

कक्षा-दशमी

वृक्षः

वृक्षः फलन्तियो मान्ति वृक्षम् धन्यते कपिः ।

वृक्षेण वायर्ति तापो, वृक्षाय दीयते जलम् ।। वृक्षात् पर्णनि वृक्षस्य प्रसरो महान् ।। वृक्षः खगा निकूजंति, वृक्ष धन्याऽपि भूतले । वृक्षा: फलानि यच्छन्ति ।

वृक्षाः पन्था उपासते ।।

नाम-सुहानी

कक्षा-आठवीं

किम त्वम् जानासि,

रचना रचनाकार:

श्रीमद्भगवद् गीता	महर्षिः वेदव्यास:
रामायणम्	महर्षिः वाल्मीकि
महाभारतम्	महर्षि वेदव्यासः
उत्तर रामचरितम्	भवभूतिः
कादम्बरी	बाणभट्टः
अभिज्ञान शाकुंतलम्	कालिदासः
दूतवाक्यम्	भासः
नीतिशतकम्	भर्तृहरिः
किरातार्जुनीयम्	भारविः
मेघदूतम्	कालिदासः
मृच्छकटिकम्	शूद्रकः

नाम-हीना

कक्षा -सप्तमी

संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्

संस्कृत भाषा विश्वस्य सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा भाषा अस्ति। संस्कृत भाषा परिशुद्धा व्याकरण संबंधि -दोषादिरहिता संस्कृत भाषेति निगद्यते। संस्कृत भाषैव भारतस्य प्राणमभुताभाषा अस्ति । राष्ट्रस्य ऐक्ता साधयति भाषा अस्ति संस्कृतभाषा । जीवनस्य सर्वसंस्कारेषु संस्कृतस्य प्रयोगः भवति। सर्वासमेताशा भाषाणाम् इयम जननी। संस्कृत भाषा सर्वे जानाम आर्याणां सुलभा शोभनम् गरिमामयी च संस्कृत भाषा वाणी अस्ति।

वेदा:, रामायण, महाभारतः, भगवद् गीता इत्यादि ग्रन्थाः संस्कृत भाषायां एवं विरचितानि । इथं भाषायाः महत्वं विदेशराज्येष्वपि प्रसिद्धम्। संस्कृतभाषायाः संरक्षणार्थं वयं संस्कृपठनम् प्रचरणम् च अवश्यं करणीयं। संस्कृतवाङ्गये स्वस्थ अद्वितीयं स्थानम् अलङ् करोति ।

नाम -गायत्री

कक्षा-अष्टमी

पर्यावरणम्

अस्माकं परितः यानि पञ्चमहाभूतानि सन्ति। तेषा समवायः एव परिसरः अथवा पर्यावरणम् इति पदेन व्यवहीयते । इत्युक्ते मनुष्यो यत्र निवसति यत् खादति, यत् वस्त्रं धारयति, यत्जलं पिबति यस्य पवनस्य सेवनं करोति तत्सर्वं पर्यावरणम् इति शब्देनाभिधियते अधुना पर्यावरणस्य समस्या वर्तते । यत्जलं यश्च वायु : अद्य उपलभयते तत्सर्वं मलिनं दूषित च दृश्यते अथवा भारतस्य राजधानी अस्ति पर्यावरणम् पश्यतु।

भारतस्य राज्येषु अन्यतमम् अस्ति। पर्यावरणम् भारतदेशस्य राजधानी विश्वस्य अतिविशालासु नगरीषु अन्यतमा इति गण्यते। पर्यावरणम् एषा भारतस्य तृतीया बहनी नगरी वर्तते।

नाम-विशाल

कक्षा -दशमी

कृषकाः

ते च प्रातराभ्य सायं ग्रामीण: जना: प्रायेण कृषीवलाः भवन्ति ।ते च प्रातराभ्य सायं यावत् क्षेत्रेषु कार्य कुर्वन्ति । क्षेत्राणां समीपे वारिण पूर्णाः जलाशयाः भवन्ति। कृषकाः क्षेत्राणि हलेन कर्षन्ति जलाशय जलेन तानि सिञ्चन्ति तत्र बीजानि वपन्ति च। ते च गृहाणि परितः शाकादीन्यापि रोपयन्ति । परिश्रमशीला: ग्रामीणा :धान्यादिकम् उत्पादयन्ति ।

नाम-शौर्य शर्मा

कक्षा-दशमी

मम विद्यालयः

मम विद्यालयस्य नाम केन्द्रीय विद्यालय: मण्डी अस्ति। एष: हिमाचल प्रदेशस्य मण्डी मण्डलस्य खलियार: नामक स्थाने स्थितः। मम विद्यालयस्य भवन: विशाल: अस्ति। विद्यालयस्य प्राचार्य: नाम श्री अजीत कुमार यादव: अस्ति। सः विद्वस विनय शील: च अस्ति । प्राचार्य महोदयः अस्माकं मार्ग दर्शको अपि अस्ति । अस्मिन् विद्यालये अष्टाविंशति: शिक्षका: शिक्षिका: च सन्ति। ते स्व- स्व विषये नेष्णाताः सन्ति। ते अतीव स्नेहेन मनोयोगेनश्च पाठयन्ति । अस्माकम् विद्यालयस्य प्राचार्य: शिक्षकः शिक्षिकाश्च अनुशासप्रियाः कर्मनिष्ठाः च सन्ति। विद्यालयस्य परिसर: मनोहारी सुंदरः च अस्ति। अत्र एकं क्रीडाक्षेत्रम् ' वर्तते । तत्र एव प्रात: कालीन प्रार्थनासभा अपि संपन्नम् भवति। विद्यालये एक: समृद्ध: पुस्तकालयः अस्ति। तंत्र अनेकानाम् विषयानाम् पुस्तकानि सन्ति। छात्रा: पुस्तकालयम् गत्वा पुस्तकालयाध्यक्षात् पुस्तकम् गृहीत्वा पठन्ति । प्रत्येकं विषयानाम् पृथक्- पृथक् शिक्षका: सन्ति। मम विद्यालये अनेका: प्रयोगशाला: अपि सन्ति, तत्र गत्वा छात्रा : विभिन्न विषयस्य प्रयोगम् कुर्वन्ति। विद्यालयस्य प्रांगणे एका वाटिका अस्ति। तत्र विविध वर्णानां पुष्पाणि सन्ति। विद्यालये एकं जलपान गृहम् अस्ति। मम विद्यालये एकत: द्वादश कक्षा पर्यन्तम् पठनकार्यम् प्रचलन्ति। मम विद्यालयस्य परीक्षाफलम् अपि सम्यकम् भवति। अतः वयं गौरवं अनुभवामः।

नाम -एंजल पटियाल

कक्षा-नवमी

प्रमुख सूक्तीनां संकलन

१) सत्यमेव जयते।

(२) उद्यमेन हि सिद्धयन्ति कार्याणि न मनोरथैः ।

३) अतिथि देवो भव ।

४) योगः कर्मसु कौशलं ।

५) सहसा विद्धीत न क्रियाम् ।

६) तत् त्वम् पूषन अपावृणु।

७) असतो मा सद्गमय ।

८) यत्र धर्मः ततो जयः ।

९) हितं मनोहारि च दुर्लभम् वचः ।

१०) विद्यया विन्दते अमृतं ।

११) नभः स्पृशं दीप्तं ।

१२) योगक्षेमं वहाम्यहम् ।

(१३) सोत्साहानां नास्ति |

१४) विद्यया अमृतश्नुते ।

नाम-पूर्वई

कक्षा -अष्टमी

सुभाषितानि

ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया । सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिदद्दुःख भाग्भवेत ।।

अर्थ- सभी सुखी हों , सभी रोग मुक्त रहें, सभी का जीवन मंगलमय बने और कोई भी दुःख का भागी न बने। हे भगवान हमें ऐसा वरदान दो ।

यानि कानि च मित्राणि कर्तव्यानि शतानि च । पश्य मूषिकामित्रेण कपोता मुक्त बन्धना:।

अर्थ - छोटे हो या बड़े निर्बल हो या सबल अधिक से अधिक संख्या में मित्र बना लेना चाहिए। क्योंकि न जाने किसके द्वारा किस समय कैसा काम निकल जाए ।

पृथिव्यां त्रीणि रत्नाणि जलमन्नम् सुभाषितं । मूढे: पाषाणखंडेषु रत्नसंज्ञा विधियते ।

अर्थात् इस धरती पर तीन रत्न है- पृथ्वी, जल, अन्न और शुभ वाणी । पर मूर्ख लोग पत्थर के टुकड़ों को रत्न की संज्ञा देते है ।

ॐ गुरुर्ब्रह्मा गुरुविष्णु गुरुर्देवो महेश्वरः । गुरुर्साक्षात् परब्रहम तस्मै श्री गुरवे नमः ।।

अर्थ- गुरु ही ब्रहमा है, गुरू ही विष्णु है और गुरू ही भगवान शंकर है । गुरु ही साक्षात परब्रहम है। ऐसे गुरू को मैं प्रणाम करता हूँ ।

नाम-अंशिका यादव

कक्षा-सप्तमी

प्रकृतिः

फलानाम् पशूनां, प्रकृतिः माता सर्वेषाम् बहूनाम् अपि बहूनाम् अस्ति वृक्षाणाम् पुष्पाणाम् चापि मातेयम् । भ्रमराणा पक्षिणां च मातास्ति जनेभ्यः जीवनं सदा ददाति प्रकृतिः माता ।। अस्ति सा तु मनोहरी मातृणाम् अपि मातास्ति प्रकृतिः माता सर्वेषाम् नमोस्तु ते मात्रे प्रकृतत्ल्यै ॥

नाम-माधवम शर्मा

कक्षा-अष्टमी

सौहार्द प्रकृतेः शोभा

वनस्य दृश्यम् समीपे एवैका नदी अपि वहति । एकः सिंहः सुखेन विश्राम्यते तदैव एकः वानर:आगत्य तस्य पृच्छं धुनोति । क्रुद्ध सिंहः तं प्रहर्तुमिच्छति परं वानरस्तु कूर्दित्वा वृक्षमारुढः। तदैव अन्यस्मातृ वृक्षात् अपरः वानरः सिंहस्य कर्णमाकृष्य पुनः वृक्षोपरि आरोहति एवमेव वानरा: वारं वारं सिंहं तुदन्ति । क्रुद्धः सिंहः इतस्ततः धावति, गर्जति परं किमपि कर्तुमसमर्थः एव तिष्ठति । वानराः वृक्षोपरि च विविधाः पक्षिणः अपि सिंहस्य एतादृशीं दशां दृष्ट्वा हर्षमिश्रितं कलरवं कुर्वन्ति ।

नाम-प्रांशु

कक्षा-नवमी

उद्यानम्

मम विद्यालयस्य समीपे एकम् उद्यानम् अस्ति। अत्र अनेकाः वृक्षाः सन्ति। वृक्षाः पर्णैः पुष्पैः च शोभन्ते । पक्वानि फलानि अपि वृक्षाणां फलानि भक्ष्यन्ति । उपवने लताः अपि सन्ति। उपवने वर्णानि पुष्पाणि अपि सन्ति । पुष्पेषु भ्रमराः गुञ्जन्ति मधुपानं च कुर्वन्ति।

अत्र बालकाः कन्दुकेन क्रीडन्ति । प्रभाते सायंकाले च जनाः उद्याने शान्तिं अनुभवन्ति ।

अनेकाः जनाः उद्याने भ्रमन्ति । उद्यानस्य मध्ये एकं सरोवरम् अपि अस्ति ।

नाम-गीतिका

कक्षा-सप्तमी

सर्वेभ्यः शिक्षिकाभ्यः शिक्षकेभ्यः च समर्पितम्

किम् अस्ति तत् पदम्

यः लभते इह सम्मानम्

किम् अस्ति तत् पदम्

यः करोति देशानाम् निर्माणम्

किम अस्ति तत् पदम्

यम् कुवर्न्ति सर्वे प्रणामम्

किम् अस्ति तत् पदम्

यस्य छायाया: प्राप्तम् ज्ञानम्

किम् अस्ति तत् पदम्

यः रचयति चरित्र जनानाम्

'गुरु' अस्ति अस्य पदस्य नाम

सर्वेषाम् गुरुणाम् मम शतं शत प्रणामः॥

मानित भाटिया

कक्षा-8

मम मातृभूमिः

'जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी 'मातृ भूमि जन्मत: आरभ्य मृत्युपर्यन्तम् अस्माकं रक्षणं पोषणं च करोति ।

माता भूमि: पुत्रोऽहं पृथिव्यो इति वेदवाक्यम् अस्ति। मातृभूमि सर्वैः नरैः वन्दनीया भवन्ति ।

येन-केन -प्रकारेण मातृभूमे: रक्षणं करणीयम्

नाम-उदित रावत

कक्षा-अष्टमी

ENGLISH SECTION

The Dark

Don’t be afraid of dark…

Don’t be afraid of dark….

Because our friends are stars

They always give us light

And they always stand for us

Don’t be afraid of dark…

Don’t be afraid of dark….

Because our friend is moon

That always gives us light ,

And that always stand for us,

Don’t be afraid of dark…

Don’t be afraid of dark….

SHIVANGI CLASS IV

POEM

God made the earth

Man made its so called boundary

Nations fight to rule each other

Who will tell them that all are their brothers and sisters

We are not born from same father and mother

But at least we can live together.

No one can rule on us

No one can dominate us

We will take freedom and they will give

After all, all we want is freedom to eat drink and live…

MADHVAM SHARMA

CLASS VIII

BOOK

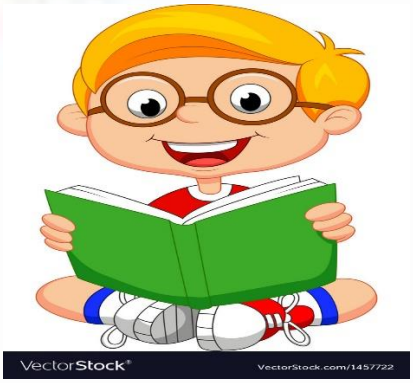

I am a book

I have many stories and poems

I give knowledge

I am a book.

Children enjoy to read me

I am ultimate source of knowledge

I am your friend

I am a book

I am made of paper

Because of tree I am free

I am not a crook

I am a book

ADITYA YADAV
CLASS VII

NATURE

Nature is our friend

Nature always helps us

Nature never harms us

Nature gives us everything

And asks for nothing

Nature is very beautiful

It gives us happiness

We can’t live without nature

O Nature ! I Love You.

GYANVI SHARMA

CLASS V

WATER

Water is our life
Water is used for everything
Without water there is nothing
We cannot live without it.
So we should always take care of it.
Never waste a drop of water.
We should save the water
The water is everything for us.

AARAV

MY OPINION AFTER READING THE CHAPTER "THREE QUESTIONS"

The most important time in our life is "NOW". We should not waste it as it never comes back moreover no one knows what will happen in future. If a person is with us at that moment, is the most important person and to do good to that person is the most important task for us. So we should live in present, knowing our duties and responsibilities.

ISHITA

CLASS VII

EARTH IS BEING HARMED BY HUMAN BEINGS

Some people believe that the earth is being harmed by humans. Others feel that human makes earth a better place to live in.

What is your opinion? First, human activities cause many kinds of animals and plants to disaster. Today many species of living had died or nearly died out. We can see only a few animals in the zoo because they have disappeared. Human beings have been using their brains and machines to remake nature for many thousands of years. We use the habitat of animals and plants. We eat their food and eat them as food, because animals and plants can not grow fast to satisfy human beings. We can not see them today. If some animals are delicious, we eat them. No animal can copy with humans, Secondly human beings cause pollution to the earth.

I remember when I was young, I drank water from the river and stream. Today we can drink bottled water only which is bought from market, because natural water is polluted by the human activities.

Air in some countries is polluted very badly, so many people died of lung cancer. I read some reports that in London people could not see each other clearly in a short distance in the morning because of smoke and fog. Finally population on the earth exacerbate rapidly. Human beings need more food and shelters because of increased population which means more need from earth. So ultimately earth is being harmed by human beings.

ARYAN THAKUR
CLASS VII

MARLIN AND HER LAMB

Once there was a girl, her name was Marlin. She always wanted a lamb. One day her grandfather bought a lamb. She was very happy. She always took it to the field and gave it milk to drink. She took care of it but she had to go to school. When she came back home, she always used to go to her lamb. One day her grandmother took it to graze in the field and when she was cutting grass the lamb got lost. When Marlin came to know that her lamb was lost, she was very sad. One day when she was searching for her lamb, a fairy came and said, “What happened my child?” Marlin said, “ I have lost my lamb.” The fairy said, “ I know where is your lamb. Come with me and they found the lamb behind the bushes. Marlin took her lamb, thanked the fairy and returned back to her home. She was very happy again.

ADVIKA
CLASS V

Just think over …

"Change your thought, life will be changed."
"The roots of education are bitter, but the fruit is sweet."
"The studies which are hurting you today, will be your biggest strength tomorrow."
"Work hard so quietly that success makes noise."

AASHYA AND PUSHPA VERMA
CLASS V

HARDWORK BEATS TALENT

I am trying to do my best. I read newspaper and magazine every single day. It helps me to build my vocabulary and knowledge about the current happenings. It helps me to inculcate good habits and routines into my life. Apart from books, I have also decorated my reading room with beautiful and motivational quotes of great people like Dr. A.P.J. Abdul Kalam Azad and many more. Whenever I feel low, the quotes make me energetic about my goals. I believe that we can achieve everything if we do hard work regardless of talent.

AYUSHI CLASS VII

IMPORTANCE OF SPORTS

Sports are very important for human to be a fit and healthy person. Sports also teach and improve our teamwork as well as problem solving skills. Sports also help us develop mental and physical toughness. Sports keep our all organs alert and heart becomes stronger by regular playing some kind of sports. Due to physical activity, blood pressure also remains accurate and blood vessels remain clean. Sugar level also reduces and cholesterol comes down by daily activity. Different people have different interest of sports but the benefits are same in all sports. By playing sports, function of lungs also improves as more amount of oxygen is supplied. Sports also improves bone strength even in old age. Sports are important for growing child and old people. Sports bring discipline in life it teaches the way of sitting, talking, walking etc. without sports a human life boring. Sports improves thinking ability and reduces the stress of mind. Without sports our life is colourless.

HIMAKSHI
CLASS VII

ANGEL

An angel named forgiveness
travelled from mind to mind.
Teaching people how to move
forward and leave the past behind.
She reminded them of their
regrets. Taught that perfection is
rare and humanity makes mistakes
despite their love and care.
She tries to stay strong ; hold her
ground but she was just not that
tough soon to be replaced by anger and grudges. Because sorry was no longer enough . forgiveness was soon out of the picture. As revenge suddenly became right. But she still travelled from mind to mind convincing them to see light.

KRITANJJAL CLASS VII

DON'T CUT TRESS

Don't cut tress
They are our life
Without tress
We can't survive
They give fruit
For our healthy diet
And oxygen from
Which we are alive
Don't cut tress
They are our life
Without tress
We can't survive

SHINOY CLASS VII

ENVIRONMENT

1. A healthy ecosystem for the protection of all living things is utterly necessary.
2. Government and public action to reduce environment pollution should be taken promptly and on time.
3. National strategies will be drawn up to mitigate the environment.
4. Digital media are the reliable source of knowledge about environmental risks.

ADITYA CLASS VII

SCHOOL CAN BE A FUN..

School can be a fun if you want it to be,So much more interesting for you and me.

Science, maths, history so much to choose from,
It keeps us engrossed night and morn!
Why should we be bored? There is lot to know Very interesting things to learn about.
So let's go! Think of those who can't go to school,
There are many numbers, not very few.
So all the benefits of learning, we should reap
As though each stage of life we leap
School can be fun. If you want it to be
So much more interesting for you and to me.

PARUL

DID YOU KNOW

1. Glaciers and ice sheets hold about 69% of the world's freshwater.
2. The fastest gust of wind ever recorded on earth was 253 miles per hour.

3. Whale songs can be used to mop out the ocean floor.
4. New creature has been found in deep sea volcanoes.
5. Mount Everest is bigger now than the last time it was measured.
6. Climate change is causing flowers to change colour.
7. Dentistry is the oldest profession in the world.
8. The entire World's population could fit inside Los Angeles.
9. More people visit France than any other country.
10. The coldest temperature ever recorded was -144 degrees Fahrenheit.

SHOURYA CLASS VII

Moral Education

Moral education is necessary for all. It makes every person good. Without this education, our education is incomplete.

Moral education teaches us how to behave with everyone. It also makes us a successful person. Those who get moral education become good person and everyone respects them. With the help of this education we get praise from everyone. All the people not only in our country but also outside the country respect us. Therefore I just want to say that we should get this education.

ARMAN RATHOUR CLASS VII

A SCHOOL MAGAZINE

A school magazine serves several useful purposes; the most important, perhaps, being that, if it is well edited, it fosters esprit de corps, or what may be called school patriotism.

It can be made to help the scholars to realize that they are a united body, however different may be their individual tastes and occupations; and it should teach them to be proud of the school to which they belong, loyal to its best interests and anxious to uphold its best traditions.

The school magazine, also, may serve as a link between the present scholars and the "old boys", and help to keep the latter in touch with their old school. As former pupils read the school news month by month, they will feel something of the old pride in the place where they got their education and their interest in it will be maintained.

If their school issues no magazine, these "old boys", scattered about the country and absorbed in their own occupations, are liable to forget their school, and lose interest in its welfare.

The school magazine encourages the boys to practice writing, by affording opportunities to budding authors to see their compositions in print; especially if the scholars are encouraged in healthy rivalry by the offer of prizes for the best articles that appear in the year.

ANAMIKA CLASS VII

ENGLISH --GLOBAL LANGUAGE

English has become a very important language in the world. It is the language in which the entire world communicates. It is also the language of business and education. English is also the language of Travel and tourism. If you travel to another country, you will most likely speak to them in English.

English is truly the international language in which all international events, such as the Olympics, are conducted. It is also the language of technology and science. This means that without knowing English, a person cannot be successful in his life. That is why learning English is considered so important.

PARINEETA CLASS VII

NATURE

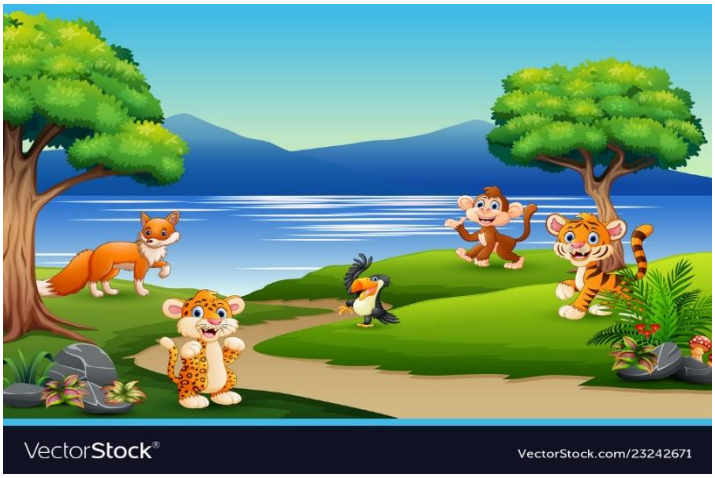

Everything that we see in our surrounding is called nature. Nature is one of the most important thing in our life. We get food from nature for example- vegetables and fruits. Humans can make buildings, furniture etc. from wood which we get from nature. Nature is being disturbed by humans by cutting down trees and by polluting it. If we want nature to save us, we have to save the nature first.

MANNAT CLASS VII

FACTS ABOUT HUMAN BODY

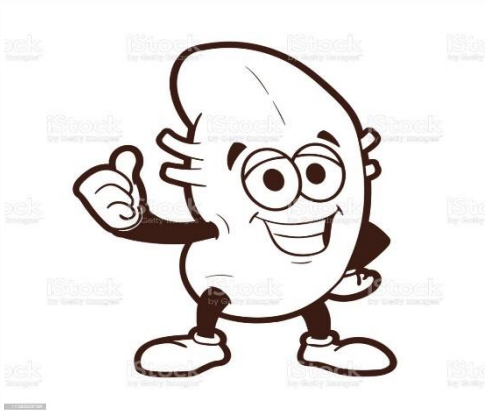

- A sneeze can travel up to 99 miles per hour.
- The human body is made of 0.2 milligrams of gold.
- Every person on this planet has an individual smell.
- Your nose remembers 50000 different scents.
- There is a protein in the body called Pikachu Rim.
- We can’t breathe and swallow at the same time.
- With time, it gets difficult for brain to think of a long memory.
- Humans are the only animals with chins.
- The heart beats 1000,000 times per day.
- The biggest gland of the human body is liver.

ADARSH CLASS VII

IMPORTANCE OF EDUCATION

- Education gives us knowledge.
- Education gives us employment and identity.
- Education teaches us lessons of humanity.
- Education tells man how to think, how to work properly and how to take decisions.
- Education highlights the human talents.
- Education develops a meaningful outlook on life.
- Education leads to innovations and discoveries.
- Education comprises good thouts in human beings.
- Education contributes to human development.

SATVIK KUKRIJA

CLASS XII COMM

AMAZING FACT- ORBIT

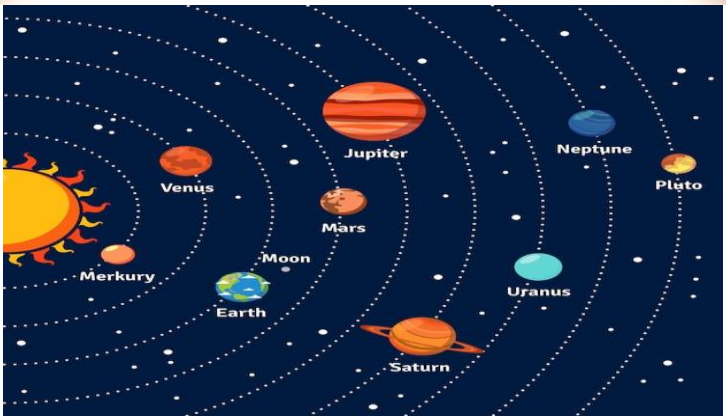

Orbits are the results of a perfect balance between the forward motion of a body in space, such as a planet or moon, and the pull of gravity on it from another body in space, such as a large planet or star….

These forces of inertia and gravity have to be perfectly balanced for an orbit to happen.

VEDANT THAKUR

CLASS VII

MY SCHOOL

School is the temple.

Where the students get the will

To become perfect from dull

Teachers are the saints equal.

Our principal is the head

Who keeps all of us in shed

Most important are the friends

With whom our life starts and ends.

I am very thankful

For studying in a school.

SARTHAK GORSI

RABBITS

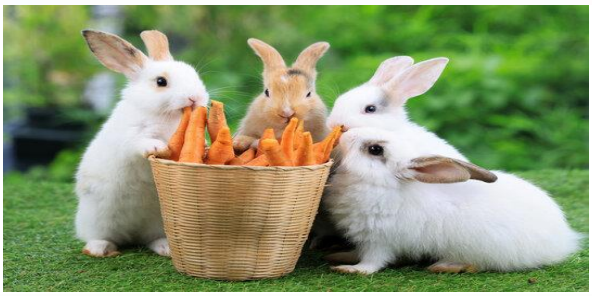

I went down the hillside
Quiet as could be
Spying upon the rabbits
Playing it to me.

How they chased each other
How they ran about
Diving in their burrows
Popping in and out.

I saw a rabbit washing
Sitting up so straight
I offered him my hanky
But he wouldn't wait.

When they saw me peeping
Down their holes they filled
And I saw them popping
As already said.

AARADHYA CLASS V

"YOU CAN"

If you think you are beaten, you are…
If you think you dare not, you don't….
If you like to win but think you can't…
It's almost a cinch, YOU WON'T !!

If you think you'll lose, you are lost…
For out in the world you'll find…
Success begins with a fellow's will…
It's all in a state of mind.

If you think you are outclassed, you are…
You've got to think high to rise….
You've got to be sure of yourself before ….
You can ever win the prize.

Life's battles don't always go…
To the stronger or faster man…
But sooner or later the one who wins….
IS THE ONE WHO THINKS HE CAN !!!

AAISHANI CLASS V

MY BEAUTIFUL NATURE

My beautiful nature is in my heart,

I love my nature, forever all time.

My beautiful nature is in my heart,

There are many trees and green grass,

There are many mountains,

That are called Himalayas,

You can live here, happily all time,

I love my nature.

KAVYANSH
CLASS V

“MY TEACHER”

Wisdom and Knowledge,
I gain from you.
Sacrifice and Patience,
I learn from you.
Love and Care
I get from you.
Truth and Honesty,
What should I give you?
You are so good and true,
Respect Love and Gratitude
I like to offer you.
Prayer, devotion and Loyalty
I tribute you.

NAMAN
CLASS IV

SAVE TREE SAVE LIFE

Don’t cut don’t cut

Don’t cut the trees

Trees are our best friends

They make our earth green

Save tree, save life.

Only fool can cut the trees.

Trees are green we should make them

To grow up tall and high

Trees make environment green

Trees give us oxygen to breathe.

So we should save trees to save our life.

ISHITA
CLASS V

FEELING OF FLOWERS

The way I grow that all you know,
I have colours like pink, red,
yellow, white, violet and other more,
Do you know I have so many
varieties of leaves and flowers?
and I have a family also.
Which grows in my colour or in
other colours.
But I am so sad because you
Pluck me and
pluck my family members.
And sometimes, you said to me, “Please Give me flowers.”
And you think that I said yes but at that time I was saying – No!
Do you know how much pain I feel?
I am finished…….
I am going so far now……..

DEVANSHI SHARMA
CLASS V

STORY

Once upon a time, there was a duck named Alex. His wife died but laid eggs which were stolen by Peter the rabbit. “I am going to get the eggs back.” Said Alex.

He went outside the pond and to a farmer’s place. The farmer tried to kill him many times but Alex survived. He grabbed a knife as his weapon. He found Robin the cat who was Peter’s right hand. Both of them fought hard, but Alex won. Alex said that he will let Robin go, if he tells him Peter’s address. Robin told him his address and Alex said, “ I was using an advanced technique there called “Lie”.

Alex killed Robin. He went for a long journey fighting for his life, with a knife. He escaped kids, adults and old people. Finally he reached the rabbit’s burrow. Alex said that he needed peace but Peter said that peace was never an option. They fought. Though Alex defeated Peter in the fight but he lost his one leg in that fight . The eggs which were already hatched. Alex went back to the ponds with his ducklings.

MADHVAM SHARMA

CLASS VIII

What is G20?

- The G20 is an informal group of 19 countries and the European Union, with representatives of the International Monetary Fund and the World Bank.
- The G20 membership comprises a mix of the world's largest advanced and emerging economies, Together, the G20 members represent more than 80% of world GDP, 75% of international trade and 60% of the world population.

MEMBERS

Argentina	Australia	Brazil	Canada
China	France	Germany	India
Indonesia	Italy	Japan	Mexico
Republic of Korea	Republic of South Africa		Russia
Saudi Arabia	Turkey	United Kingdom	
United States of America		European Union (EU)	

LET"S KNOW……. (RIDDLES)

A. What gets wet while drying?
Answer: A towel

B. What is the difference between a jeweler and a jailer?
Answer: A jeweler sells watches and a jailer watches cells.

C. What can you hold in your right hand, but never in your left hand?
Answer: Your left hand

D. What can you catch, but not throw?
Answer: A cold

E. What kind of band never plays music?
Answer: A rubber band

F. What can travel all around the world without leaving its corner?
Answer: A stamp

G. What do Alexander the Great and Winnie the Pooh have in common?
Answer: Their middle names.

H. Before Mt. Everest was discovered, what was the highest mountain in the world?
Answer: Mt. Everest, it just wasn't discovered yet.

I. What is the end of everything?
Answer: The letter "G"

J. What is red and smells like blue paint?
Answer: Red paint

K. A plane crashed between the border of France and Belgium. Where were the survivors buried?
Answer: They weren't. Survivors don't need to be buried.

SHRUTI THAKUR
CLASS X

LAUGHING IS THE BEST MEDICINE……HA … HA ….HA

STUDENT : TEACHER! WOULD YOU PUNISH ME FOR SOMETHING I DIDN'T DO .
TEACHER: NO .
STUDENT : I DIDN'T DO MY HOMEWORK .

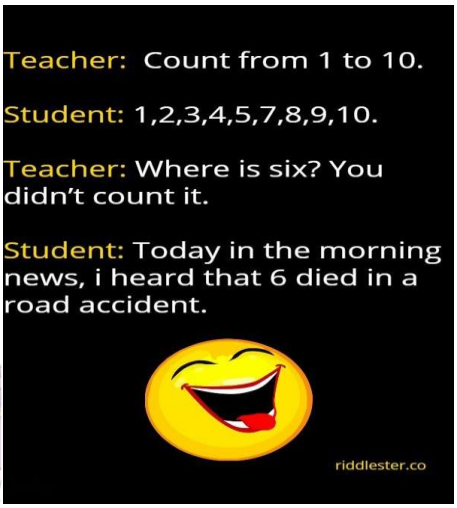

Teacher: Why are you late, Joseph?
Joseph: Because of a sign down the road.
Teacher: What does a sign have to do with your being late?
Joseph: The sign said, "School Ahead, Go Slow!"

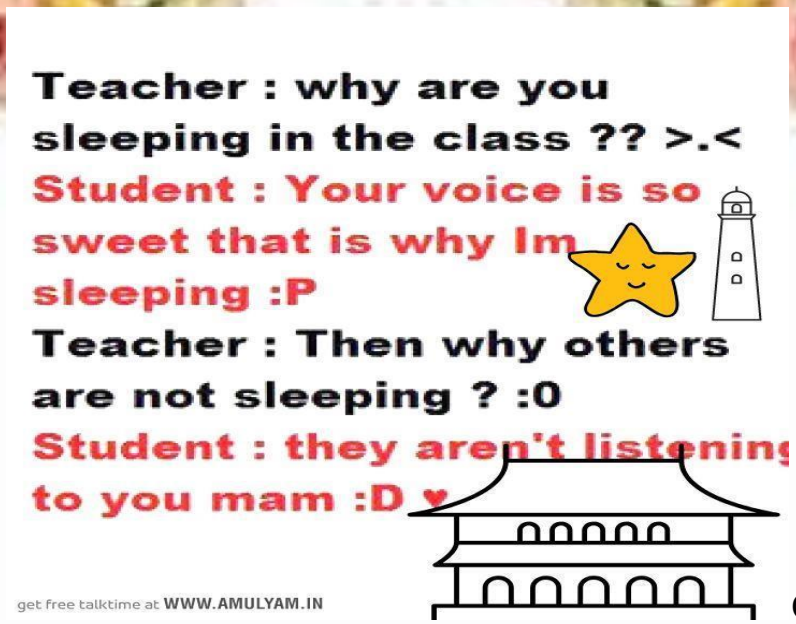

G

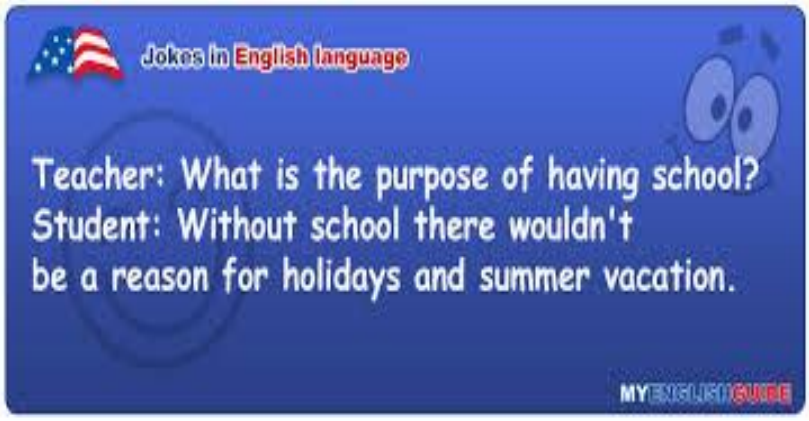

YASHVI

CLASS X

MEDICAL CHECKUP 2023 GKV MANDI
Abstract Creative Fractal
Fantasy Background